KP Astrology Learning Series

Lesson 2: Birth Chart & 12 Houses | पाठ 2: जन्म कुंडली और 12 भाव

1. What is a Birth Chart? / 1. जन्म कुंडली क्या है?

A birth chart (also called a natal chart, Kundali or horoscope) is a map of the sky calculated from the recorded date, time and place of a person's birth. Astronomers and astrologers use those three pieces of data to find the positions of the Sun, Moon and planets as they appeared from Earth at that moment. The resulting diagram is the starting point for every system of astrology whether Vedic (Jyotish), KP, Western or any other.

जन्म कुंडली (नैटल चार्ट या होरोस्कोप) किसी व्यक्ति के जन्म की दर्ज की गई तारीख, समय और स्थान की गणना करके बनाया गया आकाश का मानचित्र (नक्शा) है। खगोलशास्त्री और ज्योतिषी इन तीन जानकारियों का उपयोग उस क्षण पृथ्वी से दिखने वाली सूर्य, चंद्रमा और ग्रहों की स्थिति ज्ञात करने के लिए करते हैं। यह आरेख (डायग्राम) ज्योतिष की हर पद्धति का आधार है, चाहे वह वैदिक (ज्योतिष), KP, पश्चिमी या कोई अन्य पद्धति हो।

Why the birth chart is useful (educational view):

- It organises planetary positions into a clear picture that can be studied systematically.
- Different traditions assign traditional meanings to the 12 houses and to the planets.
- In KP astrology the same chart is examined with extra precision tools (cusps and sub-lords) that you will learn in later lessons.
- The chart itself is a factual calculation; the meanings given to houses and planets are traditional interpretations taught in this course, not scientific predictions.

जन्म कुंडली क्यों उपयोगी है (शैक्षणिक दृष्टिकोण):

- यह ग्रहों की स्थितियों को एक स्पष्ट चित्र में व्यवस्थित करती है जिसका व्यवस्थित अध्ययन किया जा सकता है।
- विभिन्न परंपराएँ 12 भावों और ग्रहों को पारंपरिक अर्थ प्रदान करती हैं।
- KP ज्योतिष में इसी चार्ट का सटीक उपकरणों (कस्प और सब-लॉर्ड) के साथ अध्ययन किया जाता है, जिन्हें आप आगे के पाठों में सीखेंगे।
- चार्ट की गणना एक खगोलीय तथ्य है; भावों और ग्रहों के दिए गए अर्थ पारंपरिक व्याख्याएँ हैं, कोई वैज्ञानिक भविष्यवाणी नहीं।

Important note for beginners: Exact birth seconds are rarely known and are not needed for the basic understanding taught in this lesson. A recorded time (even to the nearest minute) is enough to begin learning the layout of the chart.
शुरुआती विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण नोट: जन्म का सटीक सेकंड अक्सर उपलब्ध नहीं होता है और इस पाठ में समझाई गई बुनियादी बातों के लिए इसकी आवश्यकता भी नहीं है। दर्ज किया गया समय (मिनट तक भी) चार्ट के लेआउट को समझने के लिए पर्याप्त है।

2. How to Read the North Indian Chart Layout / 2. उत्तर भारतीय कुंडली का लेआउट कैसे पढ़ें

In North Indian style charts the houses stay fixed in the same places on the page. House 1 is always the top diamond/triangle, House 7 is always opposite it at the bottom, and so on. The signs (rashis) are written into those fixed house boxes according to the birth data. Planets are then placed inside the house that contains their longitude.

उत्तर भारतीय शैली की कुंडली में भाव (houses) हमेशा एक ही स्थान पर स्थिर रहते हैं। प्रथम भाव हमेशा ऊपर का हीरा/त्रिभुज आकार होता है, सप्तम भाव हमेशा उसके ठीक सामने नीचे होता है, और इसी क्रम में अन्य भाव होते हैं। जन्म विवरण के अनुसार राशियाँ इन स्थिर भावों में लिखी जाती हैं। इसके बाद ग्रह अपनी रेखांश (डिग्री) के अनुसार संबंधित भाव में रखे जाते हैं।

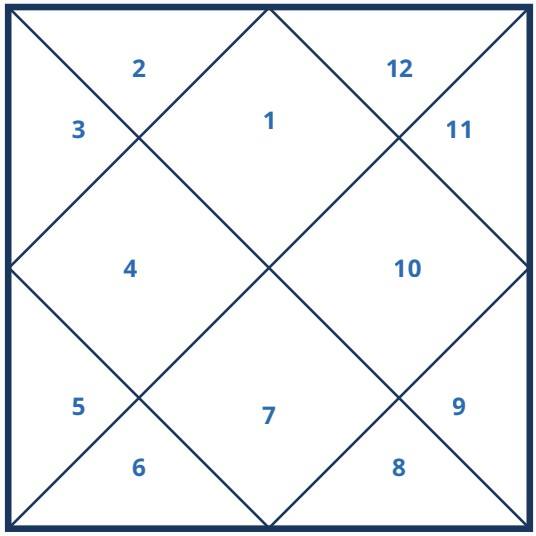


Figure: House numbers (North Indian style) stay fixed.
चित्र: उत्तर भारतीय कुंडली — भावों की संख्याएँ सदैव स्थिर रहती हैं।

When you look at any North Indian chart, first locate House 1 (top). Then move counter-clockwise / anti-clockwise or follow the numbers to find the other houses. The sign written inside House 1 is the ascendant (Lagna) sign for that birth.

> किसी भी उत्तर भारतीय कुंडली को देखते समय सबसे पहले प्रथम भाव (ऊपर) को देखें। फिर संख्याओं के क्रम के अनुसार अन्य भावों को खोजें। प्रथम भाव में लिखी राशि ही उस जन्म का लग्न (Ascendant) होती है।

3. Sign, House and Cusp / 3. राशि, भाव और कस्प — मुख्य अंतर

The Key Distinction: Many beginners mix up three different ideas. Clearing this confusion early makes the rest of KP much easier.

> **मुख्य अंतर:** कई शुरुआती विद्यार्थी इन तीन अलग-अलग अवधारणाओं में भ्रमित हो जाते हैं। शुरुआत में ही इसे स्पष्ट कर लेने से आगे KP पद्धति को समझना बहुत आसान हो जाता है।

Feature / विशेषता	Rashi / Sign Chart (Vedic View) राशि चार्ट (सामान्य वैदिक दृष्टिकोण)	Chalit / Cusp Chart (KP View) चलित / कस्प चार्ट (KP दृष्टिकोण)
What is fixed? क्या स्थिर है?	Signs are always 30° each. Houses often shown as equal 30°. प्रत्येक राशि हमेशा 30° की होती है। भाव प्रायः समान 30° के दिखाए जाते हैं।	House cusps are calculated (usually Placidus). House sizes vary (roughly 22°-38°). भाव कस्प की गणना की जाती है (प्रायः प्लेसिडस)। अक्षांश के अनुसार भाव का आकार भिन्न (22°-38°) हो सकता है।
House boundary भाव की सीमा	Often coincides with sign boundaries in simple presentation. सरल प्रस्तुति में प्रायः राशि की सीमा ही भाव की सीमा होती है।	Houses begin at exact cusp degrees and may span parts of two signs. भाव सटीक कस्प डिग्री से शुरू होते हैं और दो राशियों के भागों में फैले हो सकते हैं।
Planet position ग्रह की स्थिति	Which sign the planet occupies (its sky position). ग्रह किस राशि में स्थित है (उसकी आकाशीय स्थिति)।	Which house context the planet is considered in for KP analysis. KP विश्लेषण के लिए ग्रह को किस भाव के संदर्भ में माना जाएगा।
Main use in KP KP में मुख्य उपयोग	Sign lordship, aspects, and general planetary strength. राशि स्वामी, दृष्टि और ग्रह की सामान्य शक्ति के लिए।	Primary chart for judging house-related matters; used with sub-lords. भाव-संबंधी मामलों के निर्णय का प्राथमिक चार्ट; बाद में सब-लॉर्ड के साथ प्रयुक्त।

बाद के पाठों के लिए संक्षिप्त परिचय: KP पद्धति में प्रत्येक कस्प के सब-लॉर्ड (Sub-Lord) को भी देखा जाता है। यह उपकरण भाव संबंधी मामलों के विश्लेषण को और अधिक सूक्ष्म बनाता है। अभी विस्तृत विवरण की आवश्यकता नहीं है — बस यह याद रखें कि कस्पल चार्ट (Cuspal Chart) ही KP का मुख्य कार्यकारी चार्ट है।

4. Houses 1–4: Self, Resources, Communication, Home / भाव 1–4: स्वयं, संसाधन, संवाद, घर

1st House – Self & Body (प्रथम भाव: स्वयं और शरीर)

Personality, physical body, appearance, head, general vitality, the way a person begins life and presents themselves to the world.

> व्यक्तिव, शारीरिक बनावट, रूप-रंग, सिर, सामान्य स्वास्थ्य/ऊर्जा और जीवन की शुरुआत। व्यक्ति स्वयं को संसार के सामने किस प्रकार प्रस्तुत करता है।

2nd House – Resources & Family (द्वितीय भाव: धन और परिवार)

Wealth and movable assets, immediate family, speech, eyes, food habits, early education and the values one grows up with.

> धन-संपत्ति, अचल/चल संपत्ति, कुटुंब (परिवार), वाणी, नेत्र, खान-पान की आदतें, प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार।

3rd House – Courage & Communication (तृतीय भाव: साहस और संचार)

Courage, younger siblings, short journeys, writing, communication skills, contracts and everyday effort.

> पराक्रम (साहस), छोटे भाई-बहन, छोटी यात्राएँ, लेखन, संचार/संवाद कौशल, अनुबंध (दस्तावेज़) और दैनिक प्रयास।

4th House – Home & Emotional Base (चतुर्थ भाव: घर और मानसिक सुख)

Home environment, mother, land and property, vehicles, emotional comfort, basic schooling and the sense of belonging.

> गृह वातावरण, माता, भूमि और संपत्ति, वाहन, मानसिक सुख-शांति, प्राथमिक शिक्षा और अपनेपन की भावना।

5. Houses 5–8: Creativity, Service, Partnerships, Transformation / भाव 5–8: रचनात्मकता, सेवा, साझेदारी, परिवर्तन

5th House – Creativity & Intelligence (पंचम भाव: संतान और बुद्धि)

Children, intelligence, creative expression, romance and love affairs, intuition, and traditional associations with speculation.

> संतान, बुद्धि, रचनात्मक अभिव्यक्ति, प्रेम संबंध, अंतर्ज्ञान, तथा सट्टा/शेयर बाजार से पारंपरिक संबंध (केवल शास्त्रीय उल्लेख, कोई सलाह नहीं)।

6th House – Service & Challenges (षष्ठ भाव: सेवा और चुनौतियाँ)

Daily work and service, health and diseases, debts, disputes, competition and the effort needed to overcome obstacles.

> दैनिक कार्य व नौकरी, स्वास्थ्य एवं रोग, ऋण, विवाद, प्रतियोगिता और बाधाओं से निपटने का प्रयास।

7th House – Partnerships (सप्तम भाव: साझेदारी एवं विवाह)

Marriage and spouse, business partners, clients, one-to-one relationships and formal agreements with others.

> विवाह एवं जीवनसाथी, व्यावसायिक भागीदार, ग्राहक, व्यक्तिगत संबंध और दूसरों के साथ औपचारिक समझौते।

8th House – Transformation & Shared Resources (अष्टम भाव: परिवर्तन एवं गूढ़ ज्ञान)

Transformation, research, joint resources, inheritance, occult or hidden knowledge, longevity, and sudden changes.

> बड़ा परिवर्तन, अनुसंधान (रिसर्च), साझा संसाधन, पैतृक संपत्ति, गुप्त/गूढ़ ज्ञान, आयु, और अचानक होने वाले बदलाव। (पारंपरिक ग्रंथों में संकट का भी उल्लेख है; अध्ययन का मुख्य जोर भय पर नहीं, बल्कि परिवर्तन और गहन खोज पर है।)

6. Houses 9–12: Learning, Career, Gains, Rest / भाव 9–12: विद्या, करियर, लाभ, विश्राम

9th House – Higher Learning & Fortune (नवम भाव: उच्च शिक्षा एवं भाग्य)

Father, higher education, long-distance or foreign travel, philosophy, religion, teachers/gurus and the sense of fortune.

> पिता, उच्च शिक्षा, लंबी/विदेश यात्रा, दर्शन, धर्म, गुरु/शिक्षक तथा भाग्य एवं मार्गदर्शन।

10th House – Career & Public Standing (दशम भाव: करियर एवं प्रतिष्ठा)

Profession, career path, reputation, authority, relationship with government or institutions, and social status.

> व्यवसाय, करियर, समाज में प्रतिष्ठा, अधिकार, शासन/सरकारी संस्थानों से संबंध और सामाजिक स्थिति।

11th House – Gains & Network (एकादश भाव: लाभ एवं मित्र मंडल)

Income and gains, fulfilment of desires, elder siblings, friends, social circles and community support.

> आय एवं लाभ, इच्छाओं की पूर्ति, बड़े भाई-बहन, मित्र, सामाजिक दायरा और समुदाय का सहयोग।

12th House – Expenses, Retreat & Foreign Stay (द्वादश भाव: व्यय, एकांत एवं विदेश प्रवास)

Expenses, losses, foreign residence, hospitals or places of isolation, sleep, charity, and private matters.

> व्यय (खर्च), हानि, विदेश में निवास, अस्पताल या एकांत स्थान, निद्रा, दान-पुण्य, तथा पर्दे के पीछे रहने वाले गुप्त विषय।

Quick memory tip / याद रखने की युक्ति:
Houses 1–6 often relate to the personal sphere (self to daily challenges). Houses 7–12 open toward others, society and the wider world.
भाव 1 से 6 अधिकतर व्यक्तिगत क्षेत्र (स्वयं से लेकर दैनिक चुनौतियों) से जुड़े होते हैं। भाव 7 से 12 दूसरों, समाज और व्यापक संसार की ओर ले जाते हैं।

7. Simple Sample Walkthrough & Recap / 7. सरल उदाहरण और सारांश

Imagine a birth chart where the Ascendant (House 1) is Aries. In a North Indian diagram the top house is marked with the sign Aries (or its number 1). The Sun is calculated at *15°* Leo. In a whole-sign style view the Sun sits in the 5th house (Leo). In a KP cuspal chart the exact house of the Sun depends on where the 5th-house cusp falls; the planet may be judged in the 4th, 5th or 6th house according to the cusp degrees. That is why KP students learn to read both the sign position and the cuspal house position.

> मान लीजिए किसी जन्म कुंडली में लग्न मेष है। उत्तर भारतीय आरेख में सबसे ऊपर के भाव में मेष (या संख्या 1) लिखा होगा। सूर्य *15°* सिंह राशि पर है। साधारण राशि दृष्टि (Whole-sign view) में सूर्य पंचम भाव में दिखेगा। लेकिन KP कस्पल चार्ट में सूर्य का वास्तविक भाव कस्प की डिग्री पर निर्भर करता है; कस्प डिग्री के अनुसार वह चौथे, पाँचवे या छठे भाव में माना जा सकता है। इसीलिए KP के विद्यार्थी राशि स्थिति और कस्पल भाव स्थिति दोनों को पढ़ना सीखते हैं।

Key points to remember / याद रखने योग्य मुख्य बातें

- **A birth chart is calculated from date, time and place of birth – it is a sky map from Earth's viewpoint.**
  जन्म कुंडली तारीख, समय और स्थान की गणना से बनाई जाती है — यह पृथ्वी के दृष्टिकोण से देखा गया आकाश का नक्शा है।
- **North Indian charts keep house positions fixed; signs and planets are filled into those houses.**
  उत्तर भारतीय चार्ट में भावों के स्थान स्थिर रहते हैं; राशियाँ और ग्रह उनमें भरे जाते हैं।
- **A Sign (Rashi) is always *30°*. A House (Bhava) is a life topic; in KP its boundaries are set by cusps.**
  राशि हमेशा *30°* की होती है। भाव जीवन का एक विषय है; KP में इसकी सीमाएँ कस्प से तय होती हैं।
- **The Rashi chart shows planetary sign positions; the Chalit/Cusp chart is the main working chart for house analysis in KP.**
  राशि चार्ट ग्रहों की राशि स्थिति दिखाता है; चलित/कस्प चार्ट KP में भाव विश्लेषण का मुख्य कार्यकारी चार्ट है।
- **House meanings are traditional teaching tools. Sub-lord techniques will be taught in later lessons.**
  भावों के अर्थ पारंपरिक अध्ययन सामग्री हैं। सब-लॉर्ड तकनीकें आगे के पाठों में समझाई जाएँगी।
- **Astronomical positions are factual calculations; interpretive meanings belong to the Jyotish/KP tradition.**
  खगोलीय स्थितियाँ गणनात्मक तथ्य हैं; जबकि व्याख्यात्मक अर्थ ज्योतिष/KP परंपरा से आते हैं।

End of Lesson 2 • Next lessons will introduce planetary strengths, aspects, and the KP sub-lord system step by step.
पाठ 2 समाप्त — अगले पाठों में ग्रहों की शक्ति, दृष्टि और KP सब-लॉर्ड प्रणाली को क्रमशः समझाया जाएगा।